वानिकी समाचार

वर्ष 17 सं. 03

मार्च

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

अनुक्रमणिका पृष्ठ सं.


| | |
|---|---|
| 'लचीले पारितंत्र और समाज के लिए प्रकृति-आधारित समाधान' पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण | 01 |
| द्वितीय विन्कोइन बैठक | 01 |
| अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस | 02 |
| अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस | 02 |
| मिशन लाईफ | 03 |
| महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण | 04 |
| कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें | 04 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 07 |
| वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियाँ | 12 |
| समझौता ज्ञापन | 14 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 15 |
| जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम | 16 |
| वृक्ष उत्पादक मेला | 18 |
| प्रदर्शनी में भागीदारी | 18 |
| संस्थानों का दौरा | 19 |
| मानव संसाधन समाचार | 19 |


## #"लचीले पारितंत्र और समाज के लिए प्रकृति आाधारित समाधान" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

- भा.वा.अ.शि.प.–सतत् भू–प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र ने दिनांक 17 से 21 मार्च 2024 तक "लचीले पारितंत्र और समाज के लिए प्रकृति आधारित समाधान" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण का उद्घाटन श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 देशों तथा भा.वा.अ.शि.प.के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-सतत् भू-प्रबंधन उत्ष्टता केंद्र द्वारा 'लचीले पारितंत्र और समाज के लिए प्रकृति आधारित समाधान' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## द्वितिय विनकोईन बैठक

- द्वितिय विनकोइन बैठक दिनांक 11 मार्च 2025 को कोलकाता में हाइब्रिड मोड में श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और अध्यक्ष भा.वा.अ.शि.प.–विन्कोइन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उद्योग प्रतिनिधियों, भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) के अधिकारियों, निदेशकों, वैज्ञानिकों और अन्य भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान चुनौतियों का समाधान करने और काष्ठ आधारित क्षेत्र को बढ़ावा देने में भा.वा.अ.शि.प. एवं विन्कोइन की भूमिका पर चर्चा की गई।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "द्वितिय विनकोइन बैठक आयोजित की गई"

## अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस

- भा.वा.अ.शि.प. संस्थान द्वारा दिनांक 21 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

- भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों ने दिनांक 08 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

## मिशन लाईफ

### भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 11 और 17 अप्रैल 2025 को जीजीआईसी, कौलागढ़ और भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत रखरखाव और देखभाल कार्यक्रम का आयोजन किया।

एक-पेड़-माँ-के-नाम के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा अनुरक्षण एवं देखभाल कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 11 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में "पर्यावरण के लिए जीवनशैली" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 15 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें मिशन लाईफ की गतिविधियों के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा "पर्यावरण के लिए जीवनशैली" पर जागरूकता कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.- वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने दिनांक 21 मार्च 2025 को संस्थान परिसर में 'जागरूकता रैली' का आयोजन किया। कार्यक्रम में पी.एस.जी.आर. कृष्णम्मल महिला महाविद्यालय, सरकारी कला महाविद्यालय, कोयंबटूर, अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान एवं उच्च शिक्षा महिला संस्थान और पी.एस.जी. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों और भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित लगभग 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को मिशन लाईफ गतिविधियों के बारे में भी जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन

## महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्षण

### भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *ट्रिलियम गोवनियनम* का फाइटोकेमिकल निष्कर्षण तीन अलग–अलग मॉर्फोटाइप (टाइप I, टाइप II और टाइप III) से राइजोम पर की गई। निष्कर्षण उपज को क्रमशः 16.3% (टाइप I), 20% (टाइप II) और 34.5% (टाइप III) के रूप में निर्धारित किया गया था। इसके अतिरिक्त, कुल सैपोनिन सामग्री (टी.एस.सी.) को यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर–आधारित विधि का उपयोग करके निर्धारित किया गया, जिससे टाइप I, टाइप II और टाइप III में क्रमशः 30.97 mg/g, 34 mg/g और 55.2 mg/g की सांद्रता प्राप्त हुई।.

- सोक्सलेट निष्कर्षण विधि का उपयोग करके हिमाचल प्रदेश के चंबा में बम्बल और चेरी से एकत्रित *कोरिलस जैक्वेमोंटी* डेक्ने (हेज़लनट) के बीजों से वसायुक्त तेल का निष्कर्षण एवं पृथक्करण किया गया। संबंधित स्थानों के लिए उपज 76.66±0.47 (w/w) और 69.33±0.47 (w/w) निर्धारित की गई। फिर GC-MS तकनीक का उपयोग करके फैटी एसिड मिथाइल एस्टर (FAMEs) तैयार किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। कुल चार फैटी एसिड की पहचान की गई: बम्बल नमूने में पामिटिक एसिड (7.40%), स्टीयरिक एसिड (3.10%), ओलिक एसिड (70.53%), और लिनोलिक एसिड (18.97%); तथा चेरी नमूने में पामिटिक एसिड (6.76%), स्टीयरिक एसिड (2.33%), ओलिक एसिड (71.96%), और लिनोलिक एसिड (18.95%)।

### भा.वा.अ.शि.प.- वन उत्पादकता संस्थान, राची

- पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के 3 राज्यों से तेल और तेल–उत्पादक गुणों के लिए कुसुम (***श्लेइचेरा ओलेओसा***) के 97 सीपीटी का चयन और मूल्यांकन किया गया। एकत्रित कुसुम सीपीटी के बीज नमूनों से तेल निष्कर्षण सोक्सलेट तेल निष्कर्षण विधि के माध्यम से किया गया। कुसुम सीपीटी के एकत्रित बीज नमूनों से औसतन 25–37% तेल सामग्री देखी गई। झारखंड के सिमडेगा डिवीजन से चयनित सीपीटी ने अन्य की तुलना में प्रतिशत के अनुसार सर्वाधिक तेल सामग्री प्रदर्शित की।

### भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.), जोरहाट ने चार पेटेंट दाखिल किए हैं, जिनके शीर्षक हैं: 1. "एक लिप बाम संरचना तथा निर्माण विधि" (आवेदन संख्या 2022410 19072), 2. "एक मच्छर प्रतिकर्षक निर्माण संरचना तथा निर्माण विधि" (आवेदन संख्या 20253 1031066), 3. "एक साफा करनें वाला घोल तथा उसकी निर्माण विधि" (आवेदन संख्या 202531031065) और 4. "एक साबुन संरचना तथा उसके निर्माण विधि" (आवेदन संख्या 202531031073 स्वीकृति प्रदान प्राप्त की जा चुकी है।

### भा.वा.अ.शि.प.- वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., वन परिसर में 1 हेक्टेयर क्षेत्र में अल्प ज्ञात संभावनाशील वनस्पतियों (एल.के.एफ.पी.) जैसे *कैरीया आर्बोरिया, बैलेनाइट्स इजिपटियाका, कैसिन ग्लोका* और *वाईटेक्स अल्टिसिमा* का जननद्रव्य भंडार स्थापित कया गया है, ताकि संभावनाशील एल.के.एफ.पी. के रोपण, वाणिज्यिक अनुप्रयोगों और आजीविका में सुधार के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके।

- 'लाल इमली से सायनाडिन–3–ग्लूकोसाइड के प्रसंस्करण और इसके उपयोग की विधि' शीर्षक से एक पेटेंट (पेटेंट संख्या 512088 और आवेदन संख्या 202241019072) प्रदान किया गया है।

## कार्यशालाएं/ सेमिनार/ बैठकें

| भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | शिवालिक पहाड़ियों की पुष्प विविधताः संरक्षण एवं भावी संभावनाऐं | 04 मार्च 2025 | देहरादून के गैर सरकारी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, अधिकारियों और छात्रों सहित 50 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा शिवालिक पहाड़ियों की पुष्प विविधताः संरक्षण एवं भविष्य की संभावनाएं विषय पर सेमिनार

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पर्यावरण निगरानी की प्रचलित ट्रेंड्स | 24 मार्च 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून के शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और अधिकारियों सहित 70 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा 'जलवायु परिवर्तन चुनौतियों के बीच वन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पर्यावरण निगरानी में प्रचलित ट्रेंड्स' पर सेमिनार

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | उपोष्णकटिबंधीय चीड़ वनों पर एस.ओ.पी. का विकास | 25 मार्च 2025 | राज्य वन अधिकारी, वैज्ञानिक, और तकनीकी अधिकारी तथा संस्थान के शोधार्थियों सहित 35 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.-वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद** | | |
| 4. | सतत् वन प्रबंधन एवं कृषि व्यवसाय | 07 मार्च 2025 | कृषि तकनीकी प्रबंधन एजेंसी से 10 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.-वन उत्पादकता संस्थान, रांची** | | |
| 5. | महिला कार्यबल को शामिल करते हुए अंतःक्षेप क्षेत्रों की पहचान करना | 10 मार्च 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची के महिला कर्मचारी |

भा.वा.अ.शि.प.-व.उ.सं., रांची द्वारा "महिला कार्यबल से जुड़े अंतःक्षेप क्षेत्रों की पहचान" पर बैठक

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | |
| 6. | जैव–संकेतक के रूप में कीट–पर्यावरण निगरानी में अप्रयुक्त स्त्रोत | 21 मार्च 2025 | भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिक, शोधार्थियों और क्षेत्र अनुसंधान कर्मीयों सहित प्रतिभागी |
| 7. | औषधीय पादप | 24 मार्च 2025 | हिमाचल प्रदेश के 36 हितधारक |

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा ''औषधीय पादप'' पर कार्यशाला

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर** | | |
| 8. | आविष्कारक–उपभोक्ता सम्मेलन 2025 | 19 मार्च 2025 | शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ, स्टार्टअप कंपनियां, निवेशक, व्यावसायीकरण एजेंसियां और नवप्रवर्तक सहित 15 प्रतिभागी |

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर** | | | |
| 1. | कार्मिक के नियुक्ति में पदोन्नति सेवाओं में आरक्षण और, भर्ती रोस्टर लेखन | 05 से 07 मार्च 2025 | भा.वा.अ.शि.प. केंद्रो और संस्थानों से 27 प्रतिभागी |
| 2. | कृषि वानिकी एवं गुणवत्तायुक्त पादप सामग्री | 24 से 26 मार्च 2025 | गुजरात के किसानों और वन कर्मियों सहित 57 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प., जोधपुर द्वारा "कार्मिक के नियुक्ति में पदोन्नति सेवाओं में आरक्षण और, भर्ती रोस्टर लेखन" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प., जोधपुर द्वारा "कृषि वानिकी एवं गुणवत्तायुक्त पादप सामग्री" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून** | | | |
| 3. | चीड़ के पत्तियों से प्राकृतिक रेशा का पृथक्करण (दो प्रशिक्षण) | 11 से 25 मार्च 2025 | मसूरी, ऊपरी यमुना, बड़कोट, उत्तरकाशी और अल्मोड़ा वन प्रभागों के 55 वन अधिकारी |
| **भा.वा.अ.शि.प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** | | | |
| 4. | बांस का वानस्पतिक प्रसार और पौधशाला प्रबंधन | 04 से 06 मार्च 2025 | महाराष्ट्र वन विभाग से 20 प्रतिभागी |
| 5. | कृषि वानिकी प्रबंधन एवं बांस की बीज तकनीक | 10 से 12 मार्च 2025 | महाराष्ट्र वन विभाग के जिला वन अधिकारी, सहायक वन संरक्षक और वन रेंज अधिकारी सहित 22 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "बांस के वानस्पतिक प्रसार एवं पौधशाला प्रबंधन" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "कृषि वानिकी प्रबंधन एवं बांस की बीज तकनीक" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6. | मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग | 24 मार्च 2025 | महाराष्ट्र राज्य वन विभाग के 100 वन अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

**भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | वानिकी प्रजातियों के बीज एवं पौधशाला तकनीक पर हितधारकों का क्षमता निर्माण | 07 मार्च 2025 | हिमाचल प्रदेश वन विभाग के 50 अग्रिम पंक्ति के अधिकारी |
| 8. | कीट प्रबंधन (चार प्रशिक्षण) | 10,11, 19 और 20 मार्च 2025 | चंबा वन प्रभाग और नूरपुर वन प्रभाग के 100 अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 'वानिकी प्रजातियों के बीज एवं पौधशाला तकनीक पर हितधारकों की क्षमता निर्माण' पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "कीट प्रबंधन" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड | 12 मार्च 2025 | वन संसाधन प्रबंधन केंद्र, जम्मू से 25 अधिकारी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. | चिलगोजा के संरक्षण एवं सतत प्रबंधन की आवश्यकता | 24 मार्च 2025 | हिमाचल प्रदेश की रामणी पंचायत के 40 कृषक |

भा.वा.अ.शि.प-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "चिलगोजा के संरक्षण एवं सतत प्रबंधन की आवश्यकता" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11. | पौधशाला एवं बागानों में शीशम का प्रबंधन | 25 मार्च 2025 | स्वयं सहायता समूह के 50 प्रतिभागी और नालागढ़ वन प्रभाग के अधिकारी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.- वन उत्पादकता संस्थान, रांची** | | |
| 12. | बांस की खेती की तकनीक, रोपण रखरखाव, उपज एवं मूल्य संवर्धन | 18 मार्च 2025 | सूक्ष्मु– उद्यमिता– काष्ठ वन उत्पाद– बांस शिल्प, झारखंड के 20 प्रशिक्षु |
| | **भा.वा.अ.शि.प.- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू** | | |
| 13. | अभियांत्रिकीय अग्निरोधी दरवाजे (FRD) शटर | 03 से 07 मार्च 2025 | सर्वश्री सुरानी प्लाई इंडस्ट्रीज, गांधीधाम, गुजरात से 35 प्रतिभागी |
| 14. | चंदन की खेती को बढ़ावा देने हेतु मास्टर प्रशिक्षण | 17 से 21 मार्च 2025 | भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी कर्मचारियों सहित 25 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "चंदन की खेती को बढ़ावा देने के लिए मास्टर प्रशिक्षण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15. | बांस संरक्षण | 20 से 21 मार्च 2025 | वास्तुकला, उद्योग से जुड़े लोग और किसान समेत 50 प्रतिभागी |
| | **भा.वा.अ.शि.प.- वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद** | | |
| 16. | जलवायु तन्यकता के लिए अर्ध–शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सतत भू–प्रबंधन प्रथाएं | 05 से 07 मार्च 2025 | हैदराबाद, तेलंगाना के वन एवं अन्य विभाग से 19 प्रतिभागी |
| 17. | हमारे महासागरों की सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए एक सतत् नीली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना | 06 मार्च 2025 | विशाखापत्तनम से 20 मछुआरे |
| 18. | मैंग्रोव का पारितंत्र एवं जैव विविधता और सामाजिक वानिकी की पौधशाला तकनीक | 20 से 22 मार्च 2025 | वन एवं वन्यजीव विभाग, पुडुचेरी के 17 वन अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प-व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा "जलवायु तन्यकता के लिए अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सतत् भू-प्रबंधन प्रथाएं" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा "हमारे महासागरो की सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए उक सतत् नीली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 19. | विशाखापत्तनम के तटीय मछली पकड़ने वाले समुदायों में आजीविका और सूक्ष्म उद्यम विकास के अवसर | 25 मार्च 2025 | पल्लम गांव, पूर्वी गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश) से 20 मछुआरे |
| | **भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर** | | |
| 20. | कृषि वानिकी मॉडल–स्थापना एवं प्रबंधन (छह प्रशिक्षण) | 04, 06, 13, 18, 25 और 27 मार्च 2025 | तमिलनाडु वन विभाग के अधिकारियों और वनपालों सहित 350 प्रतिभागी |
| 21. | पुनर्प्राप्ति योजनाओं के लिए तीन प्राथमिकता वाली वनीय पादप प्रजातियाँ | 11 मार्च 2025 | अन्नामलाई टाइगर रिजर्व, पोलाची के 60 फील्ड कर्मचारी |

भा.वा.अ.शि.प-व.आ.वृ.प्र.सं. कोयंबटूर द्वारा “कृषि वानिकी मॉडल-स्थापना एवं प्रबंधन” पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-व.आ.वृ.प्र.सं. कोयंबटूर द्वारा “पुनर्प्राप्ति योजनाओं के लिए तीन प्राथमिकता वाली वनीय पादप प्रजातियों” पर प्रशिक्षण

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

| | | | |
|---|---|---|---|
| 22. | रोपणी फसलों के माध्यम से उद्यमिता विकास | 05 मार्च 2025 | कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम से 22 प्रशिक्षु |
| 23. | अगरवुड की खेती और कृत्रिम संरोपण | 10 से 12 मार्च 2025 | पंजाब, तेलंगाना, मणिपुर, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम से 11 प्रतिभागी |

भा.वा.अ.शि.प-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा “बागान फसलों के माध्यम से उद्यमिता विकास” पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा “अगरवुड की खेती और कृत्रिम संरोपण” पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 24. | आजीविका सृजन हेतु अल्प लागत वाली कृमीखाद तकनीक | 12 मार्च 2025 | स्वयं सहायता समूह सदस्य राजीबनगर के 52 प्रतिभागी |
| 25. | खाद बनाने की तकनीक और वन बीज तकनीक | 18 मार्च 2025 | सामाजिक वानिकी प्रभाग विलियमनगर, तुरा, बाघमारा से 30 प्रतिभागी तथा एम.एफ.टी.एस., बैजा के प्रशिक्षुं |

भा.वा.अ.शि.प-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "आजीविका सृजन के लिए अल्प लागत वाली कृमीखाद तकनीक" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प-व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "कम्पोस्टिंग तकनीक और वन बीज तकनीक" पर प्रशिक्षण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 26. | पूर्वोत्तर भारत के संभावित अकाष्ठ वन उत्पाद/एल.के.एफ.पी. का मूल्य संवर्धन | 20 से 21 मार्च 2025 | स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, पर्यावरण विकास समितियों, लघु चाय उत्पादकों, बांस लाभार्थियों, व्यापारियों, प्रगतिशील किसानों, सामाजिक कार्यकर्ता आदि संगठनों से 43 प्रतिभागी |
| 27. | जैविक संशोधनों के माध्यम से मृदा की गुणवत्ता में सुधार | 24 मार्च 2025 | त्रिपुरा वन विभाग के 28 वन अधिकारी |

## वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियां

### भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 27 फरवरी 2025 से 01 मार्च 2025 तक वन विज्ञान केंद्र, धनौरी, हरिद्वार में "पर्वतीय कृषि वानिकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरिद्वार के कृषकों और छात्रों सहित 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून द्वारा कृ.वि.कें., धनौरी, हरिद्वार में "पर्वतीय कृषि वानिकी" पर प्रशिक्षण

### भा.वा.अ.शि.प.- वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची और बांका वन प्रभाग, बिहार ने संयुक्त रूप से दिनांक 05 मार्च 2025 को वन विज्ञान केंद्र, बांका, बिहार में "मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बांका, बिहार के किसानों और वन अधिकारियों सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.उ.सं., रांची द्वारा वन विज्ञान केंद्र, बांका, बिहार में "मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने दिनांक 21 मार्च 2025 को एन.एम. फार्म, चंदवा में '*फ्लेमिंगिया* प्रजाति का उपयोग करके वैज्ञानिक लाख की खेती' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुटाम डेमो गांव, खूंटी, झारखंड के 40 किसानों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर ने दिनांक 05 और 10 मार्च 2025 को छिंदवाड़ा के मुसादेही गांव में "चिरौंजी आधारित कृषि वानिकी प्रणाली, जैविक कृषि और महत्वपूर्ण औषधीय पादपों और अकाष्ठ वन उत्पाद की पौधशाला और कृषि तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छिंदवाड़ा के मुसादेही गांव के 47 कृषकों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.- वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने दिनांक 10 मार्च 2025 को वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, मुलुगु में "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना के 24 किसानों ने भाग लिया।

वन कॉलेज और अनुसंधान संस्थान मुलुगु में, भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं. द्वारा "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन" पर प्रशिक्षण

## भा.वा.अ.शि.प.- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु द्वारा दिनांक 04 से 05 मार्च 2025 तक कृषि वानिकी केंद्र, बेलगवी तथा कृषि वानिकी केंद्र सिरसी में ''चंदन लकड़ी आधारित कृषि वानिकी मॉडल एवं इसके स्वास्थ्य'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 180 किसान तंकनाट्टी, बेलगवी और सिरसी, जोडा, कुंबरावाड़ा के कृषकों ने भाग लिया।

आई.सी.ए.आर.-बड्र्स कृषि विज्ञान केंद्र, तुंककट्टी, बेलगावी में भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य" पर प्रशिक्षण

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने दिनांक 19 मार्च 2025 को प्रदर्शन ग्राम, अट्टीवट्टा, होसाकोटे तालुका, बेंगलुरु में "महिलाएं और बालिकाएं: समानता एवं सशक्तिकरण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बेंगलुरु के अट्टीवट्टा गांव के 40 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा में "महिलाएं और बालिकाएं: समानता एवं सशक्तिकरण" पर जागरूकता कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने दिनांक 14 मार्च 2025 को सरकारी कन्नड़ प्राथमिक विद्यालय, प्रदर्शन ग्राम, अट्टीवट्टा, होसकोटे, बेंगलुरु में "वन वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 45 छात्रों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 27 फरवरी से 01 मार्च 2025 तक विद्या भवन, कृषि वानिकी केंद्र, बड़गांव, उदयपुर में "शुष्क क्षेत्रों में सतत वानिकी संरक्षण के लिए वृक्षारोपण तकनीक'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में किसानों, वन विभाग के क्षेत्र अधिकारियों सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा "सतत् वानिकी शुष्क क्षेत्रों में संरक्षण हेतु तकनीक" पर प्रशिक्षण

- भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 24 से 26 मार्च 2025 तक वानिकी महाविद्यालय, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी में ''गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री एवं कृषि वानिकी'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों और नवसारी के किसानों सहित 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- दिनांक 5 मार्च 2025 को कृषि वानिकी केंद्र, वंबन के अंतर्गत वन विज्ञान केंद्र–कृषि वानिकी केंद्र नेटवर्किंग के तहत "कृषि वानिकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वंबन और पुदुक्कोट्टई के 90 किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण अभियान भी चलाया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा कृषि वानिकी केंद्र, वंबन में "कृषि वानिकी'' पर प्रशिक्षण

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–बांस रतन केंद्र, आइजॉल, मिजोरम ने दिनांक 11 से 13 मार्च 2025 तक वन विज्ञान केंद्र, मिजोरम में "खाद्य सुरक्षा और पुष्प उत्पादन शिल्प सुनिश्चित करने के लिए खाद्य मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बेथलहम, वेंगथलांग, आइजॉल से 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें भा.वा.अ.शि.प.–बांस रतन केंद्र, आइजॉल, की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों तथा भारत के उत्तर पूर्व में पुष्प उत्पादन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.-बांस रतन केंद्र, आइजॉल, द्वारा वन विज्ञान केंद्र, मिजोरम में "खाद्य सुरक्षा तथा पुष्प शिल्प सुनिश्चित करने के लिए खाद्य मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण

## समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने वानिकी एवं कृषि वानिकी अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और विस्तार संबंधी विभिन्न विषयों के कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए दिनांक 04 मार्च 2025 को कृषि विद्यालय, एस.आर. विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.-व.जै.वि.सं., हैदराबाद और कृषि विद्यालय, एस.आर. विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग तथा सुविधाओं को साझा करने के लिए दिनांक 17 मार्च 2025 को के.एल.ई. सोसाइटी के एस. निजलिंगप्पा कॉलेज, बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और के.एल.ई. सोसाइटी के एस. निजलिंगप्पा कॉलेज, बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने पश्चिमी हिमालयी शीतोष्ण आर्बरेटम की स्थापना के लिए दिनांक 12 मार्च 2025 को हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्यजीव स्कंध के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला और हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्यजीव स्कंध के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 20 मार्च 2025 को हिमाचल प्रदेश के देहरा वन प्रभाग में विभिन्न कृषि वानिकी प्रणाली के परागणकों और अन्य लाभकारी कीटों की जैव विविधता, आवास संघटन और जलवायु विनियमन के लिए पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, शिमला के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

## प्रकृति कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- एम.एस.एस. उच्च माध्यमिक विद्यालय, के.पी.एम. मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, विवेक विद्यालय मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, भारतीय विद्या मंदिर मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, श्री शक्ति मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, संस्कार अकादमी आईसीएसई स्कूल और श्री वासवी विद्यालय मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, नमक्कल, कोयंबटूर के शिक्षकों के साथ 900 छात्रों ने दिनांक 05, 18, 19, 20 और 21 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के गैस संग्रहालय का दौरा किया।

श्री वासवी विद्यालय मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, नामक्कल और श्री शक्ति मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, कोयंबटूर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं. जबलपुर ने दिनांक 28 मार्च 2025 को जैव विविधता संरक्षण पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में पी.एम. श्री विद्यालय, सालीवाड़ा, जबलपुर के छात्रों और शिक्षकों सहित 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं. जबलपुर द्वारा "जैव विविधता संरक्षण" पर जागरूकता शिविर

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- बोइसाहाबी बागान एल.पी. स्कूल, सेलेनघाट वैली स्कूल, बाल्या निकेतन, काकोजन और जोरहाट, असम के जनजाति स्कूल के 521 छात्रों ने शिक्षकों के साथ दिनांक 19, 20, 24 और 26 मार्च 2025 को भा. वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के पादपालय, कीटगृह, वानस्पतिक वाटिका, बांस वाटिका, बांस पौधशाला, बीसीसी, बांस चारकोल निर्माण इकाई, वीपीआई, ऑर्किडेरियम का दौरा किया।

बोइसाहाबी बागान एल.पी. स्कूल, सेलेंघाट वैली स्कूल के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.,जोरहाट का दौरा किया

# जागरूकता और प्रर्दशन कार्यक्रम

## भा.वा.अ.शि.प.- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- सी.ए.एस.एफ.ओ.एस., देहरादून के 30 प्रशिक्षुओं ने दिनांक 24 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संस्थान, बेंगलुरु के काष्ठालय, काष्ठ कार्यशाला और उन्नत काष्ठ कार्य प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

- आचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बेंगलुरु और के.एल.ई., कॉलेज, बेंगलुरु के 28 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 17 से 19 मार्च 2025 तक भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संस्थान, बेंगलुरु का दौरा किया। छात्रों को बांस के पत्तों से डी.एन.ए. पृथकीकरण और पी.सी.आर. पर व्याख्यान दिया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- गुरु नानक कॉलेज, चेन्नई, श्री साई भारती कॉलेज, डिंडीगुल और श्री नेहरू महाविद्यालय कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर के संकायों के साथ 200 छात्रों ने दिनांक 03, 05, 14 और 21 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संस्थान, बेंगलुरु के जैव प्रौद्योगिकी संयत्र और कोशिकानुवंशिकी प्रयोगशालाएं, जैव अन्वेषण प्रयोगशाला और गैस संग्रहालय का दौरा किया। छात्रों को आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन में चल रहे शोध पर व्याख्यान दिए गए।

गुरु नानक कह्लेज, चेन्नई के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-का.वि.प्रौ.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.- वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 6 मार्च 2025 को फॉरेस्टर ट्रेनिंग स्कूल, चाईबासा, झारखंड के 80 वन रक्षकों के लिए "शैक्षिक भ्रमण" का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें ऊतक संवर्धन, पौधशाला, औषधीय उद्यान के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-व.उ.सं., रांची द्वारा शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

- भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 29 मार्च 2025 को बिहार सुधार प्रशासन संस्थान, बिहार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में जेल अधीक्षकों और परिवीक्षाधीन अधिकारियों सहित 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें ''पर्यावरण कानून'' पर व्याख्यान दिया गया।

## भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- राजकीय महाविद्यालय, हर्राई, छिंदवाड़ा, सेंट अलॉयसियस महाविद्यालय, जबलपुर और राजमाता सिंधिया राजकीय कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा के 74 विद्यार्थियों ने प्राध्यापकों के साथ दिनांक 05, 11 और 12 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। विद्यार्थियों को ''जीवामृत एवं जैविक खेती'' पर व्याख्यान दिया गया।

सेंट एलॉयसियस कॉलेज, जबलपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

- महाराष्ट्र वन विभाग के जिला वन अधिकारी, रेज वन अधिकारी, ए.सी.एफ. सहित 18 प्रतिभागियों ने दिनांक 18 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

महाराष्ट्र वन विभाग के जिला वन अधिकारी, रेंज वन अधिकारी, ए.सी.एफ. ने भा.वा.अ.शि.प.-उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

## भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- कर्नाटक वन अकादमी के 41 रेंज वन अधिकारी प्रशिक्षुओं ने दिनांक 06 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थान की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया।

कर्नाटक वन अकादमी के रेंज वन अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के 70 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 03 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- टीटाबार, जोरहाट के 30 बांस कारीगरों के एक समूह ने दिनांक 4 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के बांस वाटिका, बांस पौधशाला, बांस सम्मिश्र केंद्र, बांस चारकोल और बांस संरक्षण इकाई का दौरा किया।

## वृक्ष उत्पादक मेला

- भा.वा.अ.शि.प.–आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला ने दिनांक 25 मार्च 2025 को गांधीनगर, अगरतला में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया। वृ.उ.मे. का उद्घाटन श्रीमती पौशाली रॉय, भा.व.से., निदेशक, त्रिपुरा राज्य वन अकादमी, शालबागान, अगरतला ने किया। स्टॉल में संस्थानों की विभिन्न तकनीकों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा के लगभग 100 किसानों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों, वृक्ष उत्पादकों और छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला ने गांधीग्राम, अगरतला में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया

- भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रतन केंद्र, आइजॉल, मिजोरम ने दिनांक 24 से 25 मार्च 2025 तक आइजॉल क्लब पार्क, खटला, आइजॉल में वृक्ष उत्पादकता मेला का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.-बांस एवं रतन केंद्र, आइजोल ने आइजोल क्लब पार्क, खटला, आइजोल में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 19 मार्च 2025 को व.उ.सं., रांची परिसर में वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन किया। इस मेले में संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों और उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में रांची के लगभग 250 किसानों और हितधारकों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने भा.वा.अ.शि.प.-व.उ.सं., परिसर में वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन किया

## प्रदर्शनी में भागीदारी

- भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा दिनांक 02 से 04 मार्च 2025 तक आयोजित "किसान मेला" में भाग लिया और अपनी तकनीकियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.-शु.व.अ.सं., जोधपुर ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में किसान मेले का आयोजन किया

## संस्थानों का दौरा

- श्री एम. कलिता, अधीक्षण अभियंता, उत्तर–पूर्वी परिषद, शिलांग ने दिनांक 05 मार्च 2025 को भा.वा.अ.शि.प–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया और संस्थान के ऊतक संवर्धन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

श्री एम. कलिता, अधीक्षण अभियंता, उत्तर-पूर्वी परिषद, शिलांग ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

## मानव संसाधन समाचार

### स्थानांतरण

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| डॉ. रूबि पटेल, वैज्ञानिक–'सी', भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.., हैदराबाद से भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू | 18.03.2025 |

### पदोन्नति

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री राजेश भाटिया, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून | 27.03.2025 |

### प्रतिनियुक्ति

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| डॉ. के. गणेश कुमार, भा.व.से. (बी.एच.:2006), सी.एफ. भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर | 19.03.2025 |

### सेवानिवृत्ति

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| डॉ. सी. कुन्हिकन्नान, वैज्ञानिक–'जी' एवं निदेशक भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर | 31.03.2025 |
| श्री कैलाश चन्द गुप्ता, सहायक निदेशक (राजभाषा) भा.वा.अ.शि.प.–श.व.अ.सं., जोधपुर | 31.03.2025 |

### त्यागपत्र

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री शुभम सैनी, वैज्ञानिक–'बी' भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर से त्यागपत्र | 13.03.2025 |

### प्रत्यावर्तन

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री कुलदीप शर्मा, भा.व.से., सी.एफ., हि.व.अ.सं., शिमला | 17.03.2025 |

**संरक्षकः**
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
**संपादक मंडलः**
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

**हिन्दी संस्करणः**
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
**सहायकः**
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

**प्रत्याख्यानः**

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।